खंड-'क'

1. (क) - प्यार करके
- धैर्य और नम्रता से समझाकर
(ख) - बुराई को बढ़ावा न देकर
- बुराई के लिए स्वयं की ज़िम्मेदारी को पहचानकर
(ग) - पुत्र के प्रति पिता का अंधा मोह और पिता के प्रति पुत्र की झूठी पितृभक्ति प्रेम नहीं है।
- प्रेम तो विवेकयुक्त और बुद्धियुक्त होता है जो एक भी गलती की ओर से आँख बंद नहीं करता।
(घ) बुराई से असहयोग करना
(ङ) उपयुक्त शीर्षक पर पूरे अंक दें।

2. (क) तुम्हारी निश्चल..... रात के आकाश में।
(ख) नुकीले पत्थरों जैसी
(ग) प्रेम और मोह के कारण
(घ) - बेटी पिता की छाया में ही सुरक्षित और खुश है।
- क्योंकि पिता की छाया से बाहर भी लड़की आत्मनिर्भर और खुश है।
(ङ) पिता अपना प्रेम प्रकट नहीं करता। उसका प्रेम नसीहतों के रूप में प्रकट होता है जो अच्छी नहीं लगतीं।

खंड-'ख'

3. (क) - कि अब बुढ़ापा आ गया है
- संज्ञा आश्रित उपवाक्य
(ख) जब मॉरीशस की स्वच्छता देखी तो / तब मन प्रसन्न हो गया। /
जब मॉरीशस की स्वच्छता देखी, मन प्रसन्न हो गया।
(ग) गुरुदेव आराम कुर्सी पर लेटकर / लेटे हुए प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद ले रहे थे।

4. (क) मई महीने में शीला अग्रवाल को कॉलेज वालों द्वारा नोटिस थमा दिया गया।
(ख) देशभक्तों की शहादत को आज भी याद करते हैं।
(ग) खबर सुनकर उससे चला भी नहीं जा रहा था।
(घ) जिस आदमी ने पहले-पहल आग का आविष्कार किया होगा, वह कितना बड़ा आविष्कर्ता होगा।
(यह वाक्य कर्तृवाच्य का ही है।)

5. - गाँव की - संज्ञा (जातिवाचक), पुल्लिंग, एकवचन, संबंध कारक
- मिट्टी - संज्ञा (जातिवाचक), स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्म कारक
- मैं - सर्वनाम (उत्तम पुरुषवाचक), पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक
- तरस गया - क्रिया (अकर्मक), पुल्लिंग, एकवचन, भूतकाल, कर्तृवाच्य, 'तरस' मुख्य क्रिया, 'गया' रंजक क्रिया
अथवा
तरस - क्रिया (अकर्मक), पुल्लिंग, एकवचन, भूतकाल
अथवा
गया - क्रिया (अकर्मक), पुल्लिंग, एकवचन, भूतकाल

6. (क) शृंगार
(ख) शोक
(ग) स्वयं करे
(घ) वीर रस

खंड-'ग'

7. (क) - कस्बे के चौराहे पर लगी नेताजी की मूर्ति पर चश्मा लगाने का प्रयास
- इससे कस्बे के लोगों की देशभक्ति और देशभक्तों के प्रति सम्मान की भावना का परिचय मिलता है।
(ख)- स्वार्थपरकता
- संवेदनहीनता
- सामाजिक-नैतिक मूल्यों का ह्रास
- राष्ट्रीयता और देशभक्ति की भावना का अभाव आदि
(किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)
(ग) मूर्ति पर लगा चश्मा बदला हुआ था।

8. (क) - अंतिम संस्कार का अधिकार केवल पुरुषों को ही होना
- विधवा-पुनर्विवाह का प्रचलन न होना
- मृत्यु पर शोक मनाना (किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)

(ख) - शिक्षा प्रणाली दोषपूर्ण है।
- ताकि स्त्री-शिक्षा का विरोध न हो।

(ग) - बाबा विश्वनाथ और बिस्मिल्ला खाँ दोनों ही काशी की विशिष्ट पहचान और गंगा-जमुनी संस्कृति के अभिन्न अंग हैं।
- यह पंक्ति काशी में धार्मिक सद्भावना, आपसी भाईचारे की भावना को प्रकट करती है।

(घ) स्वयं करे

9. (क) - श्रीकृष्ण को
- जिस प्रकार हारिल पक्षी पैरों में पकड़ी लकड़ी को एकमात्र आधार मानता है, उसी प्रकार श्रीकृष्ण गोपियों के एकमात्र आधार हैं।

(ख) - श्री कृष्ण और अस्थिर मन वालों की ओर
- इन्हीं को मन की स्थिरता के लिए योग की आवश्यकता है।

(ग) - कड़वी ककड़ी और अनदेखे-अनसुने रोग की तरह
- क्योंकि गोपियाँ श्रीकृष्ण से एकनिष्ठ प्रेम करती हैं। कृष्ण के अतिरिक्त उन्हें सब कुछ अरुचिकर लगता है।

10. (क) -समाज द्वारा आत्मकथा लिखने वालों का उपहास
-समाज की पर-पीड़ा से सुख पाने की प्रवृत्ति
-मित्रों और परिचितों से मिले धोखे
- स्वयं की भूलें
- जीवन के दुख (किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)

(ख) समाज में उत्साह और क्रांति की चेतना जाग्रत करने के लिए ताकि नवपरिवर्तन आ सके।

(ग) - दहेज प्रथा
- कन्या को दान की वस्तु समझना
- स्त्रियों का शोषण करना
- कम उम्र में विवाह (किन्हीं दो का उल्लेख अपेक्षित)

(घ) संगतकार योग्य होते हुए भी जानबूझकर अपनी आवाज़ को नीचा रखता है और अपनी भूमिका को मुख्य गायक का सहयोग करने तक ही सीमित रखता है।

11. स्वयं करे

खंड-'घ'

12. स्वयं करे

13. स्वयं करे

14. स्वयं करे